



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21368	ImageGroup:	I3CN21371
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། gsung 'bum/ tA ra nA tha/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	2
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019

श्री गुरुभ्यो नमः

॥ अथ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ अथ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ अथ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

257

[illegible]

[illegible]

271

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple columns of handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper. There are approximately 8-9 columns visible. The handwriting is cursive and typical of historical Indian manuscripts. Some parts of the text are obscured by shadows or wear.]

1501

1. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841.

[illegible][illegible][illegible]

[Faint bleed-through from reverse side]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1061

विशेष सूचना

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1894

देवदुर्गपेसैरमुद्गुधायवेप्रयादयपर

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ १ ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

संस्कृत-संज्ञा-संग्रहः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

འཕགས་པ་ལྟ་བུ་གྲུ་བྱུང་།

2014年12月15日

संस्कृत-विभागः । संस्कृत-विभागः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

འཛུགས་སྐོར་ལྟར་བཤམ་པའི་ལུ་ལོ་

[illegible]

ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦੇ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਨੇ ਉਸਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਾਥੀਆਂ ਨਾਲ ਮਿਲਾਇਆ।

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

द्वितीयः प्रश्नः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

१८ मास्यशुक्लपुण २० अक्षय्यादि । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चविंशोऽध्यायः ॥

17

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring or fading.]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महोदयः प्रणमः

देवनागरी लिपि में लिखें

वसन्तरतुल्यं नैवेद्यं शुद्धं शुद्धं शुद्धं शुद्धं

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

इन्द्राक्षरं इन्द्राक्षरं पुनः पुनः

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥

॥ सुविश्वनाथाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1955年12月

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ वासुदेवाय नमः ॥

[illegible]

5129-9504-0591

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

दक्षिणोपरि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

201

विष्णुः शिवः ब्रह्मा
महादेवः महाशक्तिः महाबलः
महाकालः महाभयः महादया
महापद्मः महासूक्तः महागान्धर्वः

[Faint handwritten text across the page]

[Faint, illegible text from bleed-through]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[Faint, illegible handwritten text across the bottom margin]

5021 5022 5023 5024 5025 5026 5027 5028 5029 5030 5031 5032 5033 5034 5035 5036 5037 5038 5039 5040 5041 5042 5043 5044 5045 5046 5047 5048 5049 5050 5051 5052 5053 5054 5055 5056 5057 5058 5059 5060 5061 5062 5063 5064 5065 5066 5067 5068 5069 5070 5071 5072 5073 5074 5075 5076 5077 5078 5079 5080 5081 5082 5083 5084 5085 5086 5087 5088 5089 5090 5091 5092 5093 5094 5095 5096 5097 5098 5099 5100 5101 5102 5103 5104 5105 5106 5107 5108 5109 5110 5111 5112 5113 5114 5115 5116 5117 5118 5119 5120 5121 5122 5123 5124 5125 5126 5127 5128 5129 5130 5131 5132 5133 5134 5135 5136 5137 5138 5139 5140 5141 5142 5143 5144 5145 5146 5147 5148 5149 5150 5151 5152 5153 5154 5155 5156 5157 5158 5159 5160 5161 5162 5163 5164 5165 5166 5167 5168 5169 5170 5171 5172 5173 5174 5175 5176 5177 5178 5179 5180 5181 5182 5183 5184 5185 5186 5187 5188 5189 5190 5191 5192 5193 5194 5195 5196 5197 5198 5199 5200 5201 5202 5203 5204 5205 5206 5207 5208 5209 5210 5211 5212 5213 5214 5215 5216 5217 5218 5219 5220 5221 5222 5223 5224 5225 5226 5227 5228 5229 5230 5231 5232 5233 5234 5235 5236 5237 5238 5239 5240 5241 5242 5243 5244 5245 5246 5247 5248 5249 5250 5251 5252 5253 5254 5255 5256 5257 5258 5259 5260 5261 5262 5263 5264 5265 5266 5267 5268 5269 5270 5271 5272 5273 5274 5275 5276 5277 5278 5279 5280 5281 5282 5283 5284 5285 5286 5287 5288 5289 5290 5291 5292 5293 5294 5295 5296 5297 5298 5299 5300 5301 5302 5303 5304 5305 5306 5307 5308 5309 5310 5311 5312 5313 5314 5315 5316 5317 5318 5319 5320 5321 5322 5323 5324 5325 5326 5327 5328 5329 5330 5331 5332 5333 5334 5335 5336 5337 5338 5339 5340 5341 5342 5343 5344 5345 5346 5347 5348 5349 5350 5351 5352 5353 5354 5355 5356 5357 5358 5359 5360 5361 5362 5363 5364 5365 5366 5367 5368 5369 5370 5371 5372 5373 5374 5375 5376 5377 5378 5379 5380 5381 5382 5383 5384 5385 5386 5387 5388 5389 5390 5391 5392 5393 5394 5395 5396 5397 5398 5399 5400 5401 5402 5403 5404 5405 5406 5407 5408 5409 5410 5411 5412 5413 5414 5415 5416 5417 5418 5419 5420 5421 5422 5423 5424 5425 5426 5427 5428 5429 5430 5431 5432 5433 5434 5435 5436 5437 5438 5439 5440 5441 5442 5443 5444 5445 5446 5447 5448 5449 5450 5451 5452 5453 5454 5455 5456 5457 5458 5459 5460 5461 5462 5463 5464 5465 5466 5467 5468 5469 5470 5471 5472 5473 5474 5475 5476 5477 5478 5479 5480 5481 5482 5483 5484 5485 5486 5487 5488 5489 5490 5491 5492 5493 5494 5495 5496 5497 5498 5499 5500 5501 5502 5503 5504 5505 5506 5507 5508 5509 5510 5511 5512 5513 5514 5515 5516 5517 5518 5519 5520 5521 5522 5523 5524 5525 5526 5527 5528 5529 5530 5531 5532 5533 5534 5535 5536 5537 5538 5539 5540 5541 5542 5543 5544 5545 5546 5547 5548 5549 5550 5551 5552 5553 5554 5555 5556 5557 5558 5559 5560 5561 5562 5563 5564 5565 5566 5567 5568 5569 5570 5571 5572 5573 5574 5575 5576 5577 5578 5579 5580 5581 5582 5583 5584 5585 5586 5587 5588 5589 5590 5591 5592 5593 5594 5595 5596 5597 5598 5599 5600 5601 5602 5603 5604 5605 5606 5607 5608 5609 5610 5611 5612 5613 5614 5615 5616 5617 5618 5619 5620 5621 5622 5623 5624 5625 5626 5627 5628 5629 5630 5631 5632 5633 5634 5635 5636 5637 5638 5639 5640 5641 5642 5643 5644 5645 5646 5647 5648 5649 5650 5651 5652 5653 5654 5655 5656 5657 5658 5659 5660 5661 5662 5663 5664 5665 5666 5667 5668 5669 5670 5671 5672 5673 5674 5675 5676 5677 5678 5679 5680 5681 5682 5683 5684 5685 5686 5687 5688 5689 5690 5691 5692 5693 5694 5695 5696 5697 5698 5699 5700 5701 5702 5703 5704 5705 5706 5707 5708 5709 5710 5711 5712 5713 5714 5715 5716 5717 5718 5719 5720 5721 5722 5723 5724 5725 5726 5727 5728 5729 5730 5731 5732 5733 5734 5735 5736 5737 5738 5739 5740 5741 5742 5743 5744 5745 5746 5747 5748 5749 5750 5751 5752 5753 5754 5755 5756 5757 5758 5759 5760 5761 5762 5763 5764 5765 5766 5767 5768 5769 5770 5771 5772 5773 5774 5775 5776 5777 5778 5779 5780 5781 5782 5783 5784 5785 5786 5787 5788 5789 5790 5791 5792 5793 5794 5795 5796 5797 5798 5799 5800 5801 5802 5803 5804 5805 5806 5807 5808 5809 5810 5811 5812 5813 5814 5815 5816 5817 5818 5819 5820 5821 5822 5823 5824 5825 5826 5827 5828 5829 5830 5831 5832 5833 5834 5835 5836 5837 5838 5839

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

991

1957-1958

मन्त्रः श्रीगणेशाय नमः

2014年12月15日

1867

Redevelopment Authority

1995

विष्णुसहस्रनाम ३४ ॥ अष्टपुत्राचार्यः ॥

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

L'ÉTAT DES ÉVALUÉS

[illegible]

○ 諸君其各知所自愛也

विष्णुसुखपात्रेयं विष्णुसुखपात्रेयं

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

228

ಹೆಚ್ಚುವರಿಯಾಗಿರುವ ಹೆಚ್ಚುವರಿ ವರದಿಗಳು

॥ साक्षात्कारार्थं प्रोक्तं ॥

2000年12月15日

37

255

CONFIDENTIAL

BOOKS BY THE PUBLISHERS

1992年12月15日

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

160

500

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

48-30960-1

[illegible]

1. 1. The first part of the paper
 2. 2. The second part of the paper
 3. 3. The third part of the paper
 4. 4. The fourth part of the paper
 5. 5. The fifth part of the paper
 6. 6. The sixth part of the paper
 7. 7. The seventh part of the paper
 8. 8. The eighth part of the paper
 9. 9. The ninth part of the paper
 10. 10. The tenth part of the paper
 11. 11. The eleventh part of the paper
 12. 12. The twelfth part of the paper
 13. 13. The thirteenth part of the paper
 14. 14. The fourteenth part of the paper
 15. 15. The fifteenth part of the paper
 16. 16. The sixteenth part of the paper
 17. 17. The seventeenth part of the paper
 18. 18. The eighteenth part of the paper
 19. 19. The nineteenth part of the paper
 20. 20. The twentieth part of the paper
 21. 21. The twenty-first part of the paper
 22. 22. The twenty-second part of the paper
 23. 23. The twenty-third part of the paper
 24. 24. The twenty-fourth part of the paper
 25. 25. The twenty-fifth part of the paper
 26. 26. The twenty-sixth part of the paper
 27. 27. The twenty-seventh part of the paper
 28. 28. The twenty-eighth part of the paper
 29. 29. The twenty-ninth part of the paper
 30. 30. The thirtieth part of the paper
 31. 31. The thirty-first part of the paper
 32. 32. The thirty-second part of the paper
 33. 33. The thirty-third part of the paper
 34. 34. The thirty-fourth part of the paper
 35. 35. The thirty-fifth part of the paper
 36. 36. The thirty-sixth part of the paper
 37. 37. The thirty-seventh part of the paper
 38. 38. The thirty-eighth part of the paper
 39. 39. The thirty-ninth part of the paper
 40. 40. The fortieth part of the paper
 41. 41. The forty-first part of the paper
 42. 42. The forty-second part of the paper
 43. 43. The forty-third part of the paper
 44. 44. The forty-fourth part of the paper
 45. 45. The forty-fifth part of the paper
 46. 46. The forty-sixth part of the paper
 47. 47. The forty-seventh part of the paper
 48. 48. The forty-eighth part of the paper
 49. 49. The forty-ninth part of the paper
 50. 50. The fiftieth part of the paper
 51. 51. The fifty-first part of the paper
 52. 52. The fifty-second part of the paper
 53. 53. The fifty-third part of the paper
 54. 54. The fifty-fourth part of the paper
 55. 55. The fifty-fifth part of the paper
 56. 56. The fifty-sixth part of the paper
 57. 57. The fifty-seventh part of the paper
 58. 58. The fifty-eighth part of the paper
 59. 59. The fifty-ninth part of the paper
 60. 60. The sixtieth part of the paper
 61. 61. The sixty-first part of the paper
 62. 62. The sixty-second part of the paper
 63. 63. The sixty-third part of the paper
 64. 64. The sixty-fourth part of the paper
 65. 65. The sixty-fifth part of the paper
 66. 66. The sixty-sixth part of the paper
 67. 67. The sixty-seventh part of the paper
 68. 68. The sixty-eighth part of the paper
 69. 69. The sixty-ninth part of the paper
 70. 70. The seventieth part of the paper
 71. 71. The seventy-first part of the paper
 72. 72. The seventy-second part of the paper
 73. 73. The seventy-third part of the paper
 74. 74. The seventy-fourth part of the paper
 75. 75. The seventy-fifth part of the paper
 76. 76. The seventy-sixth part of the paper
 77. 77. The seventy-seventh part of the paper
 78. 78. The seventy-eighth part of the paper
 79. 79. The seventy-ninth part of the paper
 80. 80. The eightieth part of the paper
 81. 81. The eighty-first part of the paper
 82. 82. The eighty-second part of the paper
 83. 83. The eighty-third part of the paper
 84. 84. The eighty-fourth part of the paper
 85. 85. The eighty-fifth part of the paper
 86. 86. The eighty-sixth part of the paper
 87. 87. The eighty-seventh part of the paper
 88. 88. The eighty-eighth part of the paper
 89. 89. The eighty-ninth part of the paper
 90. 90. The ninetieth part of the paper
 91. 91. The ninety-first part of the paper
 92. 92. The ninety-second part of the paper
 93. 93. The ninety-third part of the paper
 94. 94. The ninety-fourth part of the paper
 95. 95. The ninety-fifth part of the paper
 96. 96. The ninety-sixth part of the paper
 97. 97. The ninety-seventh part of the paper
 98. 98. The ninety-eighth part of the paper
 99. 99. The ninety-ninth part of the paper
 100. 100. The hundredth part of the paper

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

प्राहुर्वाचमसोऽप्यहोययः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

24-14574-5

[illegible]

551

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of items, possibly related to the manuscript's contents.]

1991

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौ धातुः स्यात् । अथ कुरुक्षेत्रे संवादाच्च । इति श्रीभगवद्गीतायाः अष्टमोऽध्यायः ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

७७

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

विष्णुप्रियमदरा यदुदरा विष्णुप्रियमदरा यदुदरा

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Hindi verses.]

299

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

२२१

इत्येवमुक्त्वा तत्रैव निवसन्निषिद्धं कुरुतेऽप्युक्तं नृणां भूतानां च ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1900

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

FOR THE UNITED STATES

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

351

राजकुमारसद्वर्तमानस्य सुखस्य च यथा।

॥ १५५ ॥

सुखदुःख

समस्तस्यैव

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

सुदृढं च यत्तद्विदुः सदा ।

[illegible]

अथर्ववेदः

गणेशाय नमः

[illegible]

नरकपुत्र

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ शिवसंज्ञायाः प्रथमः सूत्रः ॥

[illegible][illegible]




品 名 品 名

品名: 2010年10月10日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

05951 537

1990

1952年10月10日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ देवतायां सर्वत्र भूतानां परमात्मनो विद्यते ।
 ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु अष्टादशोऽध्याये ॥

॥ अथ मन्त्रः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके दशोऽध्याये श्रीकृष्णस्य वचनं समाप्तम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷一百一十五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਐਤਯਃ ਯੈਰਦੁਸ਼ਸ਼ੁ ਯੁਯਤਯਃ ਯੈਯਯਦੁਸ਼ੁ ਯਤਯਃ ਯੈਮੈਰਿਤੁ ਯਤਯਃ ਯੈਯਾਤਿਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੂਤਾਗ੍ਰਿਯੈਤਯਃ ਯੈਯਾਤੁਯੈਤਯਃ ਯੈਦੁਸ਼ੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈ
 ਧਤੁਦੁਸ਼ੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਧਤੁਸ਼ੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਧਮਾਤੁ ਯਤਯਃ ਯੈਧੁਤਿਮਾਤੁ ਯਤਯਃ ਯੈਯੋਗੈਸ਼ੁ ਯਤਯਃ ਯੈਯਯਵੈਸ਼ੁ ਰਿਧੈਸ਼ੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯਯਤੁਸ਼ੁ ਯ
 ਤਯਃ ਯੈਯਾਤੁ ਧਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਧਮਾਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਰਯਯਮਾਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁਸ਼ੁ ਧਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯਾਤੁ ਧਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯਾਤੁ ਧਤੁ ਯੈਤਯਃ
 ਯੈਯੈਤੁਯਯਾਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯਾਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ
 ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯਾਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ
 ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ
 ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ
 ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ ਯੈਯੁਤੁ ਯੈਤੁ ਯੈਤਯਃ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीपद्मे नमः ।
 श्रीलोकेश्वरानामस्तु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हेमचन्द्राय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विश्वविद्यालयीय कक्षा परकेंद्रित शिक्षण

【答案】 C

THE BUREAU OF THE CHURCH

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

99

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2014-15

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्यां अष्टमोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रः प्रह्लादश्च योगीन्द्रः ॥
 धर्मपुत्रश्चैव शौनकाश्च वीर्यवान् ॥ १ ॥ अर्जुनश्च भीमार्जुनश्च युधिष्ठिरश्च ॥
 द्रुपदश्चैव कुरुक्षेत्रे भवन्ति ॥ २ ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्यां अष्टमोऽध्यायः ॥



2025-2026

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ ।
 कृष्णाय नमः ॥ । कृष्णाय नमः ॥ । कृष्णाय नमः ॥ । कृष्णाय नमः ॥ । कृष्णाय नमः ॥ ।
 पद्मनाभाय नमः ॥ । पद्मनाभाय नमः ॥ । पद्मनाभाय नमः ॥ । पद्मनाभाय नमः ॥ । पद्मनाभाय नमः ॥ ।
 नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ ।
 नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ । नमो भगवते विष्णुने ॥ ।



७॥ दधत्तुमिदं योऽप्येवमुच्यते तस्यैवमुच्यते ॥



११

सुपुनरुत्पत्तिरिति

சுருத்யஸக்தி ।

འདུས་པ་འདུས་པའི་རྒྱུ་ལྟར།

॥ पञ्चमः सर्गः ॥

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ अथोक्तं ॥ १०८ ॥ ॥ अथोक्तं ॥ १०९ ॥

[illegible]

55

२२३१

२५७३१

देवदत्तस्य

五五五

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

11. 

सददेशजसदस्यस्य

[Faint bleed-through from the reverse side]

गङ्गा नदी के घाटी में

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दस्यदुष्टाद्विद्वत्तु।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ इत्येवमर्हन्ति गुरुद्वयं ॥

विद्यया हि विमुक्तस्य सुखं द्रव्यम्

५३

[illegible]

दध्याददपयन्त्रिभुजस्य ज्ञानमप्येवैकमुच्यते

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

5 11 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दयादयिद्विनैर्द्वयस्य सप्रिद्वयमवयवम्

卷之六
 六

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

सुप्रसन्नमस्तु सुप्रसन्नमस्तु सुप्रसन्नमस्तु सुप्रसन्नमस्तु सुप्रसन्नमस्तु

संनयनविद्विगदसर्कुभनकुदयवयवसर्कुभनकुद

संस्कृत-विश्वकोषः

पुनरप्युक्तं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रपञ्चसूक्तविद्वत्तुल्यमुद्राङ्गुलिर्भवेत् ।

三

[illegible]

691

21

21

1992


 IEEE

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

1925

67

2

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

221

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and low resolution.)

[illegible]

ਅੰਦਰੋਂ ਸਮੁੱਚਾ ਪ੍ਰਭੂ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਹਿਰਦੈ ਵਿਚ
ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਕੰਮ ਕਰਾਂਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫਲ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਹਿਰਦੈ ਵਿਚ
ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਕੰਮ ਕਰਾਂਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫਲ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਹਿਰਦੈ ਵਿਚ
ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਕੰਮ ਕਰਾਂਗੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਫਲ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਹਿਰਦੈ ਵਿਚ

3

[illegible]

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

4591

[illegible]

[illegible]

291

पुस्तकालय

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 देवदत्तः प्रणम्य शिरसां पद्मेन चित्तं ध्यायेत् ।
 तदा कुर्यात्पुण्यं तस्मात्कुरुते वरदानम् ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतपुराणस्य दशमस्कन्धोऽष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

[illegible]

45

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15/5

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

942

[illegible]

[illegible]

221

॥ सुगमसुखदयं सुखदयम् ॥

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

352

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ལམ་ཐམས་ཅད་པ་དང་བཅས་པའི་ཕྱི་རྒྱུ་ལྟར་ཐམས་ཅད་པ་འདི་དེ་རིགས་ལོ།

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

二、三、四、五

विष्णुसहस्रनामम्

२५५१

མཆོག་གི་དངོས་ལྷན་ལ་ཐ་གདུང་མཁུར་ཐམས་ཅད་མཛད།
༡༥ ༡༦ ༡༧ ༡༨ ༡༩ ༢༠ ༢༡ ༢༢ ༢༣ ༢༤ ༢༥ ༢༦ ༢༧ ༢༨ ༢༩ ༣༠

[illegible]

अद्वैत दर्शन ग्रन्थ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765 2766 2767 2768 2769 2770 2771 2772 2773 2774 2775 2776 2777 2778 2779 2780 2781 2782 2783 2784 2785 2786 2787 2788 2789 2790 2791 2792 2793 2794 2795 2796 2797 2798 2799 2800 2801 2802 2803 2804 2805 2806 2807 2808 2809 2810 2811 2812 2813 2814 2815 2816 2817 2818

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

शक्तिपद्धतिप्रवर्धनसूत्रम्

सुदृढयोगिबुद्धः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

५१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१६३

इन्द्राय नमः ।

[illegible]

292

सुखं विना न भवति सुखं विना न भवति ॥

[illegible]

5053455

देशकवर्द्धिप्रदपद्मपत्रसुन्दरकुटुम्बसमयसङ्गणकपत्रम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

1931

दयेदुर्लभकृतदिव्यवस्तुनिर्दयपणअद्वय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

देवमंथकद्विष्टुर्विश्रुतकपुत्रपुत्रस्य

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurriness and low resolution. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

91

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

ॐ नमः शिवाय नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.)

29

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

43

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]



[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

32

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

[illegible]

[illegible]

卷五

ॐ। [सुप्रसन्न] एतेषां परमपूज्यगुरुणां सुप्रदेवविग्रहपर्वतपरिवेष्टितः देवाङ्गणैर्बहिर्द्वयपर्यन्तमात्रापरिमाणेन हृत्पद्मपादकौशिकसहितः सर्वदेवतासामुद्रादिभिर्मणिभिः
सुगन्धैर्बहिर्द्वयगतिसुविद्यमानः पञ्च। एतस्यादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
यस्यादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
देवदेवीवर्गादेवार्थादुक्तस्यैवमुद्रावस्थानम्। यस्यादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
गणेशसदर्थविष्णोश्चरमुद्रापरिपूर्णः। देवादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
सुप्रसन्नगुरुणां सुप्रदेवविग्रहपर्वतपरिवेष्टितः देवाङ्गणैर्बहिर्द्वयपर्यन्तमात्रापरिमाणेन हृत्पद्मपादकौशिकसहितः सर्वदेवतासामुद्रादिभिर्मणिभिः
सुगन्धैर्बहिर्द्वयगतिसुविद्यमानः पञ्च। एतस्यादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
यस्यादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
देवदेवीवर्गादेवार्थादुक्तस्यैवमुद्रावस्थानम्। यस्यादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः
गणेशसदर्थविष्णोश्चरमुद्रापरिपूर्णः। देवादर्यादक्षीयावृत्तिरेवमुपवसत्यज्ञानायारदोऽस्ति गिरिजासीमादवधिभित्तः। सुवसाद्रीविस्तारार्थेऽनुचितकुपवर्तिक्रिया। रश्मिच्छन्दसुरवेदवशाच्चलितः

[illegible]

विषयसूची

दशैवसु सप्तैवसु सप्तैवसु सप्तैवसु सप्तैवसु

यथेष्टं नृणां भूतानां च यथावत्

1900-1901

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

गङ्गा द्रुवा सुदामा दय सु सति

यनेपसः सत्यवतु यत्तु यत्तु यत्तु

सुखं यः सदा विन्दति तस्यैव सुखं सदा विन्दते ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीता ।

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथ दशमोऽध्यायः ॥

पञ्चदशसूक्तस्य मन्त्रस्य मन्त्रस्य मन्त्रस्य मन्त्रस्य मन्त्रस्य

विष्णुसूक्तं । अथ यजुर्वेदसूक्तं । अथ सार्वभौमसूक्तं । अथ सामवेदसूक्तं । अथ रग्वेदसूक्तं । अथ यजुर्वेदसूक्तं । अथ सार्वभौमसूक्तं । अथ सामवेदसूक्तं । अथ रग्वेदसूक्तं ।

一、關於「中國共產黨」之組織
 二、關於「中國共產黨」之綱領
 三、關於「中國共產黨」之政策
 四、關於「中國共產黨」之宣傳
 五、關於「中國共產黨」之紀律
 六、關於「中國共產黨」之財政
 七、關於「中國共產黨」之教育
 八、關於「中國共產黨」之文化
 九、關於「中國共產黨」之體育
 十、關於「中國共產黨」之藝術
 十一、關於「中國共產黨」之宗教
 十二、關於「中國共產黨」之社會
 十三、關於「中國共產黨」之國際
 十四、關於「中國共產黨」之未來
 十五、關於「中國共產黨」之現在
 十六、關於「中國共產黨」之過去
 十七、關於「中國共產黨」之現在與未來
 十八、關於「中國共產黨」之過去與現在
 十九、關於「中國共產黨」之未來與過去
 二十、關於「中國共產黨」之現在、未來與過去

100

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

महोदय मंगलस्य दे देण सुखदण व्यदेण सुखा सुख
महोदय मंगलस्य दे देण सुखदण व्यदेण सुखा सुख

पञ्चदशवर्षावधौ पुनरुदयः

सुधाशक्तद्वयं सुधासंवेष्टद्वयं विद्युत्पदमद्वयं

सहस्रदशहोदयसहस्र। ४

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

इत्येवमुक्तं तदा स भगवान्वाक्यं ब्रूयान् । यत्तु ॥

॥ यथा दत्तं दत्तं यथा दत्तं दत्तं ॥

सत्यं परमं । पदार्थः

[illegible]

दण्डन दण्डन दण्डन करे। शुभसुख सुख सुख सुख

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ਅਕਾਲ ਪੁਰਖ ਦਲ ਬਾਸਾ

...

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

45

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script found in the other pages.]

297

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is densely packed and appears to be a historical record or a religious manuscript. The script is written in dark ink on aged, slightly discolored paper. The lines of text are roughly parallel, following the horizontal orientation of the page. The handwriting is somewhat cursive and characteristic of older Indian scripts. There are some variations in the thickness of the lines, suggesting different levels of emphasis or different parts of the text. The overall appearance is that of a well-preserved but aged historical document.

[illegible]

卷一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

徐子

[illegible]

[illegible]

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इत्यथ मुनिपराहण देवता उवाच ॥ अथास्माकं कुरुष्व त्वं यत्किंचिदर्थम् ।
 सदाश्रित्य मया प्रसाद्यमानं । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । कुर्वन्तु मे सुखं पुनश्च । दत्वा व्यापारं विना । पुनस्तु दत्तं मुने रक्षितं ।
 गच्छेद्देवं देवपुत्रं पश्य । इति वक्तुं मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव ।
 देवपुत्रं पश्य । इति वक्तुं मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव ।
 देवपुत्रं पश्य । इति वक्तुं मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव । इति श्रुत्वा मुनिः पराहणमुनिं निवेष्टुं बभूव ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19

[illegible][illegible][illegible]

मन्त्रायामप्युक्तं किञ्चिद्विशेषम् । इति मन्त्रायामप्युक्तं किञ्चिद्विशेषम् ।

[illegible]

महेश्वरीयस्य च यत्तु रपविगव पदमतीत्यर्थे दृष्टं तर्थागतत्वनिमित्तं प्रदमद्वयतेत्यादि।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

張

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1954

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuous passage of handwritten Indic script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । पञ्चदशस्कन्धे प्रथमे अर्धे गच्छामः । पञ्चदशस्कन्धे प्रथमे अर्धे गच्छामः । पञ्चदशस्कन्धे प्रथमे अर्धे गच्छामः ।

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

卷之四

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

卷二

[illegible]

[illegible]

225

[illegible]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

31

विश्वसुद्धयविद्वत्सायनः।

कुपयकृणवैस्येदिवयवेदुह्वयामुदमरवेदवैस्यमुदर।

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਹੋਇਆ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विश्वस्यैव अर्थेदुष्टमदधकदेदो
विश्वस्यैव अर्थेदुष्टमदधकदेदो

[illegible][illegible]

मन्त्रं ब्रूयत् तदा भवति । मन्त्रः स एव ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

1999

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ਸ੍ਰੀ ਧਰਮ ਭਗਵਤ ਪੁਸਤਕ ਅੰਕ ੨ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ੧੦੦

1947

[illegible]

ॐ। अथ यत्किंचिदुच्यते तत्तन्मया । अथ यत्किंचिदुच्यते तत्तन्मया ।

[illegible]

[illegible]

42

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit or Pali script.]

सुखेन्द्रस्य पुत्रः

[illegible]

[illegible]

59

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

257

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

五、

[illegible]

[illegible]

15

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

✓✓

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

931

विद्युत्सूचिका।

प्रायः षष्ठ्यं च

卷之四
 四庫全書

५९५१
५९५१

मन्त्रादिप्रमाणैः

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཕ་རྒྱུ་ལག་དཔལ་འཛུང་ན། འཕྲུང་བ་དང་ལོགས་

मन्त्रि। अथैतन्मन्त्रं प्रोक्तुं शक्यं ।

ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

यथासंभवेन परिशुद्धं तदुक्तं तदुक्तं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

दसकृतुवृत्तयः दसकृतुवृत्तयः दसकृतुवृत्तयः
दसकृतुवृत्तयः दसकृतुवृत्तयः दसकृतुवृत्तयः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन्त्रिपतिपदयोः । अथ ह्युक्तं पुराणाय

द्वन्द्वीयेण सहेऽन्नेन तदेवैष्यत्युदस्य पति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

सिद्धिद्वयं यद्विदुः सदा ॥ २५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

५५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

५. दशसुखार्थम्

सुखसंभारः

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

...
...
...

[illegible]

सुखं लब्ध्वा यथादुर्लभं यथादुर्लभं यथादुर्लभं ।

सुखं भवति सुखं भवति

196

[illegible]

ये उरुवर्द्धवत्सु सुविहृतम्

कह्यो। कुलशक्त्यपददयकृत्यन।
दयकृत्यन। धर्मसद्वर्तन। ॥॥॥

पुस्तकालय

पुस्तक संख्या १०८५

॥ अथ यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

ཀྱིས་ལཱ་འདི་དྲམ་པའི་སྐབས་། རྒྱལ་པོ་ལྷན་པུ་ལྷན་པུ་

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

देवहृदयदत्तस्यै नमः । वन्दे

दुर्गादेव्यै नमः दुर्गायै नमः दुर्गायै नमः

मंदपदा कुंजसुता प्रियवर्तिका मन्दि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुविधा यैः कुरुष्वैव अर्हन्त्यप्यदस्य

बदरखाने

पुष्पदन्त पात्रे दत्ति पुरस्काराय ॥ १ ॥

अथर्वणसुखमस्यैवमयं सुखमस्यैव

८। दधुग मठदखर्गदगल्लुगटन

[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः

इति श्री भृगुसूक्तमन्त्रादिब्रह्मसंहितायाम्

॥ यत्किञ्चिदप्यस्मिन्मन्त्रे ॥

सुप्रभातं सुप्रभातं सुप्रभातं सुप्रभातं सुप्रभातं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

卷之四

[illegible]

(The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain multiple lines of handwritten script.)

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

1954

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit text found in the other pages.)

631

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

1870
 1871
 1872
 1873
 1874
 1875
 1876
 1877
 1878
 1879
 1880
 1881
 1882
 1883
 1884
 1885
 1886
 1887
 1888
 1889
 1890
 1891
 1892
 1893
 1894
 1895
 1896
 1897
 1898
 1899
 1900
 1901
 1902
 1903
 1904
 1905
 1906
 1907
 1908
 1909
 1910
 1911
 1912
 1913
 1914
 1915
 1916
 1917
 1918
 1919
 1920
 1921
 1922
 1923
 1924
 1925
 1926
 1927
 1928
 1929
 1930
 1931
 1932
 1933
 1934
 1935
 1936
 1937
 1938
 1939
 1940
 1941
 1942
 1943
 1944
 1945
 1946
 1947
 1948
 1949
 1950
 1951
 1952
 1953
 1954
 1955
 1956
 1957
 1958
 1959
 1960
 1961
 1962
 1963
 1964
 1965
 1966
 1967
 1968
 1969
 1970
 1971
 1972
 1973
 1974
 1975
 1976
 1977
 1978
 1979
 1980
 1981
 1982
 1983
 1984
 1985
 1986
 1987
 1988
 1989
 1990
 1991
 1992
 1993
 1994
 1995
 1996
 1997
 1998
 1999
 2000
 2001
 2002
 2003
 2004
 2005
 2006
 2007
 2008
 2009
 2010
 2011
 2012
 2013
 2014
 2015
 2016
 2017
 2018
 2019
 2020
 2021
 2022
 2023
 2024
 2025
 2026
 2027
 2028
 2029
 2030
 2031
 2032
 2033
 2034
 2035
 2036
 2037
 2038
 2039
 2040
 2041
 2042
 2043
 2044
 2045
 2046
 2047
 2048
 2049
 2050
 2051
 2052
 2053
 2054
 2055
 2056
 2057
 2058
 2059
 2060
 2061
 2062
 2063
 2064
 2065
 2066
 2067
 2068
 2069
 2070
 2071
 2072
 2073
 2074
 2075
 2076
 2077
 2078
 2079
 2080
 2081
 2082
 2083
 2084
 2085
 2086
 2087
 2088
 2089
 2090
 2091
 2092
 2093
 2094
 2095
 2096
 2097
 2098
 2099
 2100
 2101
 2102
 2103
 2104
 2105
 2106
 2107
 2108
 2109
 2110
 2111
 2112
 2113
 2114
 2115
 2116
 2117
 2118
 2119
 2120
 2121
 2122
 2123
 2124
 2125
 2126
 2127
 2128
 2129
 2130
 2131
 2132
 2133
 2134
 2135
 2136
 2137
 2138
 2139
 2140
 2141
 2142
 2143
 2144
 2145
 2146
 2147
 2148
 2149
 2150
 2151
 2152
 2153
 2154
 2155
 2156
 2157
 2158
 2159
 2160
 2161
 2162
 2163
 2164
 2165
 2166
 2167
 2168
 2169
 2170
 2171
 2172
 2173
 2174
 2175
 2176
 2177
 2178
 2179
 2180
 2181
 2182
 2183
 2184
 2185
 2186
 2187
 2188
 2189
 2190
 2191
 2192
 2193
 2194
 2195
 2196
 2197
 2198
 2199
 2200
 2201
 2202
 2203
 2204
 2205
 2206
 2207
 2208
 2209
 2210
 2211
 2212
 2213
 2214
 2215
 2216
 2217
 2218
 2219
 2220
 2221
 2222
 2223
 2224
 2225
 2226
 2227
 2228
 2229
 2230
 2231
 2232
 2233
 2234
 2235
 2236
 2237
 2238
 2239
 2240
 2241
 2242
 2243
 2244
 2245
 2246
 2247
 2248
 2249
 2250
 2251
 2252
 2253
 2254
 2255
 2256
 2257
 2258
 2259
 2260
 2261
 2262
 2263
 2264
 2265
 2266
 2267
 2268
 2269
 2270
 2271
 2272
 2273
 2274
 2275
 2276
 2277
 2278
 2279
 2280
 2281
 2282
 2283
 2284
 2285
 2286
 2287
 2288
 2289
 2290
 2291
 2292
 2293
 2294
 2295
 2296
 2297
 2298
 2299
 2300
 2301
 2302
 2303
 2304
 2305
 2306
 2307
 2308
 2309
 2310
 2311
 2312
 2313
 2314
 2315
 2316
 2317
 2318
 2319
 2320
 2321
 2322
 2323
 2324

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

[Faint handwritten Devanagari script across the page]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuous passage of handwritten Sanskrit or Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

[illegible]

Д
С
Л
Б
С
Б

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten Indic script.]

卷之四

ॐ । मन्त्रिभक्त्यमया । अथैवमुक्त्वा भक्त्या सुखं विदधते भक्त्या च । अथैवमुक्त्वा भक्त्या सुखं विदधते भक्त्या च ।

[illegible]

卷一

[illegible]

[illegible]

五

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.)

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

五

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

(The following text is highly faded and mostly illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a collection of Sanskrit or Pali script arranged in approximately four horizontal lines across the page.)

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the liturgical or philosophical text found in the other pages.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.)

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the same type of Sanskrit or Pali script found in the other pages.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

[illegible]

51

।महिदयमयः॥॥॥

दुःखं दुःखं दुःखं दुःखं दुःखं दुःखं दुःखं दुःखं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

১৯৭১ খ্রিঃ ১৫/০৩/৭১

1997-1998

67043533

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

1937

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दशमस्कन्धे... सुकर्मसामुदायः ॥ देवदे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

མ་གཤིས་དང་ཕྱོད་པོ་

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

इति श्रीमद्वैद्यनाथसंस्कृतसंग्रहः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

एवमप्यस्यैव सविद्वान्महेश्वर उवाच ॥

[illegible][illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

5

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of the Sanskrit script found in the other pages.]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1935

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

225

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

卷之四

21

[Faint, illegible text]

५८१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

1917

[illegible]

श्रीमदभिरामसुन्दरस्य श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

54

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

附錄

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurriness and overlapping script.]

591

१. चरुः केशवद्वयसद्वयः। योसद्वयः केशवद्वयसद्वयः योसद्वयः केशवद्वयसद्वयः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । प्रथमोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महामन्त्राः वन्द्यः।

575521 1954 9 25

...
...
...

100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखीसादविवाहवैदग्ध्यवसाहृदयसुखदे।

一、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 二、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 三、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 四、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 五、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 六、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 七、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 八、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 九、凡有人之事無不有其理之在乎也。
 十、凡有人之事無不有其理之在乎也。

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१५३६ अथ पञ्चमस्कन्धः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

中華民國二十九年九月九日

... 1911 ...

445 24. 4/24/24

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

১৯৪৬

卷之四
 詩經

11-12-13-14-15-16-17-18-19-20-21-22-23-24-25-26-27-28-29-30-31-32-33-34-35-36-37-38-39-40-41-42-43-44-45-46-47-48-49-50-51-52-53-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044-10

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

점수 35.50 = 84%

1990

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सुभाष चन्द्र बोस

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२। मन्त्राणां दशैकं चतुर्दशैकं चतुर्दशैकं

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१३०५

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

※

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

XX
4

[illegible]

[illegible]

天
地
人
三
才

[illegible]

[illegible]

2
 3
 4

[illegible]

[illegible]

XX
5727

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

五

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to heavy damage and fading.]

1255

[illegible]

[illegible]

[illegible]

XX 755

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

XXXIX

[illegible]

[illegible]

天
地
人
三
才

[illegible]

[illegible]

xx
617

[illegible]

मन्त्रसंज्ञासुखदुःखप्रवृत्तिर्वा

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

242

[illegible]

[illegible]

ॐ

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

知所

[illegible]

[illegible]

天

[illegible]

[illegible]

[illegible]

天
地

[illegible]

[illegible]

天

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

卷之五

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

卷之四

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script.]

[illegible]

931

१३६२५।

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

XX
2
620

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage. It appears to be a continuation of Sanskrit script.]

[illegible]

XXIX

(The following text is heavily obscured by bleed-through from the reverse side of the manuscript page. It appears to contain several lines of Sanskrit or Indic script, possibly related to the main text's theme of devotion.)

[illegible]

22

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]

[illegible]

X
X

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

XXV

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

卷之四

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.)

徐家

[illegible]

[illegible]

McGraw Hill

[illegible]

[illegible]

22

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

दशमः पञ्चमः दशमः पञ्चमः । दशमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

महोदयः परमेश्वरः परमात्मन् परब्रह्मन् परकृष्णः परविराट् परशिवः परशुनाथः परसर्वेश्वरः परसर्वभूतेश्वरः परसर्वलोकेश्वरः परसर्वदेवेश्वरः परसर्वविद्याेश्वरः परसर्वज्ञानेश्वरः परसर्वशक्तिदेश्वरः परसर्वधर्मेश्वरः परसर्वन्यायेश्वरः परसर्वप्रियेश्वरः परसर्वप्रेमेश्वरः परसर्वदयावेश्वरः परसर्वकरुणावेश्वरः परसर्वमहाकायेश्वरः परसर्वमहाबलेश्वरः परसर्वमहावीर्येश्वरः परसर्वमहाशक्तिदेश्वरः परसर्वमहाप्रियावेश्वरः परसर्वमहाप्रेमेश्वरः परसर्वमहादयावेश्वरः परसर्वमहाकरुणावेश्वरः परसर्वमहामहाकायेश्वरः परसर्वमहामहाबलेश्वरः परसर्वमहामहावीर्येश्वरः परसर्वमहामहाशक्तिदेश्वरः परसर्वमहामहाप्रियावेश्वरः परसर्वमहामहाप्रेमेश्वरः परसर्वमहामहादयावेश्वरः परसर्वमहामहाकरुणावेश्वरः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1077 1078 1079 1080 1081 1082 1083 1084 1085 1086 1087 1088 1089 1090 1091 1092 1093 1094 1095 1096 1097 1098 1099 1100 1101 1102 1103 1104 1105 1106 1107 1108 1109 1110 1111 1112 1113 1114 1115 1116 1117 1118 1119 1120 1121 1122 1123 1124 1125 1126 1127 1128 1129 1130 1131 1132 1133 1134 1135 1136 1137 1138

[illegible]

卷之五

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.)

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

205

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

531

॥ यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

Xx 7000

[illegible]

[illegible]

153

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain multiple lines of handwritten Devanagari script.)

XX-100

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

291

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

महामयि। अद्वैतमयि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

一、總論

॥ बुद्धयश्च यत्नः ॥ गुरुत्वं च ॥ अद्वयत्वं च ॥
 यत्नो विद्यायाश्च यत्नः ॥ १२५ ॥

১৯৩৩ সালের ১২ই জানুয়ারি তারিখে

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

दण्डसूत्रम् । दण्डसूत्रम् । दण्डसूत्रम् ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷一百一十五

[Faint handwritten Devanagari script]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

X
X
M
E

[illegible]

[illegible]

[illegible]

XX
355

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगः समाप्तः ॥
 १०८
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगः समाप्तः ॥

三子

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script found in the other pages.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

1925

[illegible]

XX 74994

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन् मामादध । अर्जुन उवाच । पांडवस्य द्रुपदपुत्रः
कुन्तिभोजः प्रह्लादश्चैव आसीत्तदा । भीमार्जुनसमा
विभक्तवानहम् । वीर्यवान्महाबलवान्तरुणः ।
अस्त्रप्रवीणोऽग्रगण्यः शूरवीरः । सौमित्रोऽपि
समवेतः तदा युधिष्ठिरपुत्रः । दुर्योधनपुत्रश्च
द्रुपदपुत्रश्चैव । अर्जुन उवाच । पांडवस्य द्रुपदपुत्रः
कुन्तिभोजः प्रह्लादश्चैव आसीत्तदा । भीमार्जुनसमा
विभक्तवानहम् । वीर्यवान्महाबलवान्तरुणः ।
अस्त्रप्रवीणोऽग्रगण्यः शूरवीरः । सौमित्रोऽपि
समवेतः तदा युधिष्ठिरपुत्रः । दुर्योधनपुत्रश्च
द्रुपदपुत्रश्चैव ।

[illegible]

卷之四

[illegible]

॥ अथ शिवस्य चरित्रं ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ अथ शिवस्य चरित्रं ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

REV

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

22

[illegible]

1854

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

44

[illegible]

[illegible]

子

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.)

(The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.)

李

[illegible]

[illegible]

不刊之論

[illegible]

[illegible]

ॐ

विष्णुस्य

मन्त्रः

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000年12月15日

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.)

[illegible]

[illegible]

591

पुस्तकालय

२५५५

07534

अथ वाचस्पत्यः

國朝

गुणैर्दृष्टव्यम्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

31

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be handwritten Devanagari script.)

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवदत्तः प्रणम्यैवमुच्यते ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ॥
 दशरथ उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याये अष्टमोऽध्यायः ॥

५५७५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पांडवश्चैतानि श्वशुरा मां संभूतवान् ॥ १ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं हृदि ध्यायेन्महामुनिः ॥
 पश्येत्क्राइष्येत्कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ तस्मात्तु मे ब्रूहि यद्यथा श्रुत्वा ॥
 मया श्रुतं तव गुरुः पश्येत्क्राइष्येत्कुरुक्षेत्रे ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं हृदि ध्यायेन्महामुनिः ॥
 पश्येत्क्राइष्येत्कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ तस्मात्तु मे ब्रूहि यद्यथा श्रुत्वा ॥
 मया श्रुतं तव गुरुः पश्येत्क्राइष्येत्कुरुक्षेत्रे ॥

[illegible]

77777

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

220

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

1997

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

191

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurriness and poor resolution.]

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰

। अथ देवि दृष्ट्वा विदग्धतां परमं दुःखं च विभ्रं गच्छन्त्येव । देव्युत्तरं मुखाद्वापसां यदपीति । तदर्थं यः प्रियं मे दत्तं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible. It appears to be a dense Sanskrit manuscript with multiple lines of script.]

五

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四庫全書

[illegible]

[illegible]

महाराज

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वन्द्यो देवो गुरुः प्रसीदन्निवेद्य ॥
 सर्वकलहप्रशान्तये नमः ॥ २ ॥
 सत्त्विकं कृपापद्मं शशिधरं सुभक्तैः ॥
 पूजितं तस्मात्तु यथाविधि ॥ ३ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ ४ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ ५ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ ६ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ ७ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ ८ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ ९ ॥
 श्रीगुरुभक्त्या यः पूजयेत्तदात्मनः ॥
 संप्राप्नुयाच्छाश्वतो मुक्तिर्मुक्तात्मनः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.]

四

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the philosophical or religious discourse found in the other pages.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三才圖會

| | | | | | |
|--|--|---------------------------------------|---------------------------------------|--|--|
| <p> लुदवदयेदसदसदसुसमुदससुसमये॥
 गसपपपद्विपससपद्विदससिद
 ॐ अससुंदरेगसपसुद। </p> | <p> लुदवदेवसदयेदस। दसससुपद्विद्वेससपदसदहसुदयेदसु।
 विनवेविपमेये॥
 विनवेविपमेये॥ </p> | <p> सठिगलुसदस॥
 दमेवेससपवेव॥ </p> | <p> सठिगलुसदस॥
 दमेवेससपवेव॥ </p> | <p> ॥ वद्विद्वेसदनेवसठेदसससमसठदह।
 ॥ हेवसुवजपद्विपद्विद्वेवसठेवस॥ </p> | <p> सुदमेवसठेदसस॥
 ॥ हेवसुवजपद्विपद्विद्वेवस॥ </p> |
|--|--|---------------------------------------|---------------------------------------|--|--|